परिधि जैन हत्याकांड में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए बंद रहा कोटा शहर

व्यापारियों ने स्वतः ही दुकानें बंद कर कोटा व्यापार महासंघ का पूर्ण समर्थन किया

कोटा, (निसं)। परिधि जैन की हत्या के अपराधी के अभी तक गिरफ्तार न होने को लेकर कोटा व्यापार महासंघ के आह्वान पर शुक्रवार को कोटा बंद ऐतिहासिक सफल रहा।

कोटा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष क्रांति जैन एवं महासचिव अशोक माहेश्वरी ने बताया कि व्यापार महासंघ की टीमों द्वारा पूरे शहर के हर कोने में जाकर बंद का जायजा लिया गया। बंद में शहर के सभी प्राइवेट स्कूल पेट्रोल पंप भामाशाह मंडी ऑटोमोबाइल शोरूम भी बंद थे। यहां तक कि शहर में चाय पान तक की गुमटिया भी बंद थी। कोटा शहर ने परीधि हत्याकांड के अपराधी की गिरफ्तारी नहीं किए जाने पर पूरे कोटा को बंद करके अपना आक्रोश जाहिर किया। उन्होंने बताया कि आज शहर में सर्वाधिक शादियों होने के बावजूद भी कोटा व्यापार महासंघ को कोटा बंद का निर्णय लेना पड़ा क्योंकि यह शहर के जन-जन की आवाज बन गई थी। जैन व माहेश्वरी

हत्या के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर व्यापार महासंघ के आव्हान पर कोटा बंद सफल रहा।

ने बताया कि शुक्रवार सुबह 9.00 बजे से ही व्यापार महासंघ की 150 संस्थाओं के पदाधिकारी, समाजसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं आमजन छावनी चौराहे पर एकत्रित होने लग गये थे यहां पर परिधि के हत्यारे को गिरफ्तार न किये जाने पर जोरदार प्रदर्शन एवं नारेबाजी की गयी। उसके पश्चात छावनी चौराहे से सैकड़ों की तादाद में सभी वर्गों द्वारा मौन जुलूस के रूप में छावनी चौपाटी पर पहुंचकर वहां परिधि जैन के चित्र पर पुष्पांजलि एवं 2 मिनट का मौन रखकर उसे सामूहिक हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वहां मौजूद सभी वर्गों ने एकमत होकर अपराधी को शीघ्र गिरफ्तार कर फांसी की सजा देने की मांग की, सभी ने इस जघन्य हत्या को कोटा शहर के लिए काला अध्याय बताया।

कोटा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष क्रांति जैन महासचिव अशोक माहेश्वरी ने कोटा बंद को ऐतिहासिक सफल बनाने के लिए व्यापार महासंघ के सभी 150 व्यापारिक औद्योगिक संगठनों, समाजसेवी संस्थाओं, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियो, प्राइवेट स्कूल एसो, ग्रेन मण्डी एसो, पेट्रोलियम डीलर्स एसो, कोटा मोटर व्हीकल डीलर्स एसोसिएशन का हार्दिक आभार व्यक्त किया है सभी वर्गों ने साबित कर दिया है कि इस मसले को लेकर सभी एकजुट है ऐसा घिनौना अपराध कोटा शहर को स्वीकार नहीं होगा।

बालोतरा जिला नहीं बना तो जीवन भर जूते नहीं पहनूंगा : विधायक प्रजापत

मांगों को लेकर पचपदरा विधायक ने अनूठा प्रण लिया है

बालोतरा, (निसं)। राजस्थान के सीमावर्ती बाड़मेर जिले के पचपदरा विधायक ने अनूठा प्रण लिया है। गत दिनों विधायक ने कहा कि उनकी मांगें नहीं मानी गयी, तो वे जीवनभर नंगे पांव रहेंगे, कभी जूते नहीं पहनेंगे। बाड़मेर जिले की पचपदरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक मदन प्रजापत ने जीवन भर नंगे पांव रहने की बात बालोतरा को जिला बनाने की मांग को लेकर कही।

जानकारी के अनुसार विधायक ने कहा कि 40 साल तक सब्र हो गया, अब और सब्र नहीं होता है। बालोतरा को जिला बनाया जाए। उन्होंने कहा कि उनको न तो कोई पद चाहिए और न ही अन्य कोई बडी मांग, उनकी सबसे बडी मांग ही बालोतरा को जिला बनाने की है। जिला नहीं बनाया तो अब प्रश्न नहीं उठाऊंगा और न ही जीवन में जूते पहनूंगा। यह मेरा प्रण है। बालोतरा को जिला बनाने की मांग करीब चार दशक पुरानी है। चुनाव के दौरान तमाम राजनीतिक दल और प्रत्याशी बालोतरा को जिला बनाने का वादा करते आये है, लेकिन आज तक ऐसा नही हो पाया। करीब 28 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले बाड़मेर जिले में बालोतरा सबसे बड़ा ब्लॉक है। बालोतरा जिला मुख्यालय से करीब 100 किलोमीटर दूर है और यंहा के लोगों को हर छोटे बड़े कार्य के लिए इतना दूर आना पड़ता है, इसलिए यह मांग उठ रही है।

विधायक मदन प्रजापत

- करीब 28 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले बाड़मेर जिले में बालोतरा सबसे बड़ा ब्लॉक है

जिला कलैक्टर और पुलिस अधीक्षक को छोड़कर बालोतरा में बाकी सभी सरकारी कार्यालय है। बालोतरा में जिला परिवहन कार्यालय, एडीएम कार्यालय, इनकम टैक्स, सेल्स टैक्स और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय भी है। बाड़मेर का जिला सत्र न्यायालय कार्यालय भी बालोतरा में है। विधायक ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री से पूरी उम्मीद है और वह भरोसा नहीं तोड़ेंगे। विधायक ने कहा कि पचपदरा में देश की सबसे बड़ी रिफाइनरी स्थापित हो रही है। विकास में सबसे आगे नाम है। मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी जैसा मेगा प्रोजक्ट पचपदरा को दिया है तो इसकी सुरक्षा और विकास के लिए अब बालोतरा को जिला भी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की जनता की चालीस साल से मांग है कि बालोतरा को जिला बनाया जाए। विधायक मदन प्रजापत ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के 2022 के बजट में बालोतरा को जिला नहीं बनाया तो जीवन भर नंगे पैर रहने का प्रण लिया है।

महाराणा प्रताप से अकबर की तुलना करने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने महाराणा प्रताप व अकबर के बीच हुई लड़ाई को सत्ता संघर्ष बताने संबंधी दिए गए बयान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने डोटासरा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस केवल तुष्टिकरण की नीति अपनाते हुए अल्पसंख्यकों के वोट बटोरने के लिए शूरवीर महाराणा प्रताप की शौर्यता और बलिदान का अपमान कर रही है।

शुक्रवार को यहां पत्रकारों से बात करते हुए देवनानी ने कहा कि डोटासरा का बयान उनकी कुंठित मानसिकता का द्योतक है। कांग्रेस ने कभी भी वीरों का सम्मान नहीं किया। वह केवल एक ही परिवार को आगे रखने के कारण भारत के सारे शूरवीरों का अपमान करती रही है और अब भी कर रही है। तुष्टिकरण के लालच में कांग्रेस ने हमेशा मातृभूमि के गौरव के संघर्ष को सत्ता का संघर्ष कहकर महाराणा प्रताप के स्वर्णिम

- महाराणा प्रताप व अकबर के बीच हुई लड़ाई को सत्ता संघर्ष बताने पर देवनानी ने कांग्रेस के खिलाफ खोला मोर्चा
- कांग्रेस पर तुष्टिकरण की नीति अपनाते हुए शूरवीरों का अपमान करने का आरोप

इतिहास को कलंकित करने का प्रयास किया है। कांग्रेस का यह कृत्य बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। इसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है।

देवनानी ने कहा कि महाराणा प्रताप ने मातृभूमि की स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए लड़ाई लड़ी थी। अकबर की ना तो कभी भी महाराणा प्रताप से तुलना की जा सकती है और ही बराबरी की जा सकती है। महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व के आगे तो अकबर कुछ भी नहीं था। यही कारण है कि भाजपा शासनकाल में हमने विद्यार्थियों को यह पढ़ ाना और बताना शुरू किया कि अकबर महान नहीं था, बल्कि महाराणा प्रताप महान थे। उन्होंने कहा कि ऐसे वीर व पराक्रमी महाराणा प्रताप का अपमान करना किसी भी रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता है। कांग्रेस केवल अल्पसंख्यकों के वोट पाने और तुष्टिकरण की नीति पर चलने के कारण इस प्रकार महाराणा प्रताप का अपमान कर रही है। कांग्रेस और उससे जुड़े नेता यह भूल जाते हैं कि महात्मा गांधी ने गोलमेज सम्मेलन में महाराणा प्रताप की सराहना की थी। उन्होंने कहा कि यदि महाराणा प्रताप के अपमान की कीमत कांग्रेस को जरूर चुकानी पड़ेगी और अगले विधानसभा चुनाव में जनता उसे सत्ता से बाहर कर देगी।

पन्द्रह बीएलओ को कारण बताओ नोटिस

चूरू, (कासं)। निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार ई एपिक डाउनलोड नहीं करवाने वाले विभिन्न बूथ लेवल अधिकारियों को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एसडीएम चूरू द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। एसडीएम राहुल सैनी ने

- ई-एपिक डाउनलोड नहीं करवाने पर दिया नोटिस

बताया कि मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2022 के दौरान नव-पंजीकृत किए गए ऐसे मतदाता, जिनके द्वारा यूनिक मोबाईल नम्बर दिये गये थे, उनके ई-एपिक निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार बीएलओ के माध्यम से डाउनलोड करवाये जाने हैं। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र चूरू में जिन बीएलओ द्वारा एक भी मतदाता का ई-एपिक डाउनलोड नहीं करवाने वाले बीएलओ भाग संख्या 8, 35, 63, 66, 95, 96, 97, 148, 149, 150, 154, 155, 205, 212, 217 को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

रीट का डाटा सार्वजनिक करने की मांग

अजमेर, (कासं)। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ ने शुक्रवार को रीट भर्ती 2021का डेटा सार्वजनिक करवाने और पूर्व अध्यक्ष डीपी जारोली को गिरफ्तार करवाने तथा रीट की जांच सीबीआई से करवाने की मांग को लेकर माध्यमिक शिक्षा शिक्षा बोर्ड के बाहर सांकेतिक प्रदर्शन करके बोर्ड सचिव को रीट लेवल प्रथम और द्वितीय का डाटा सार्वजनिक करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष उपेन यादव ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सचिव मेघना चौधरी ने वार्ता में प्रतिनिधि मंडल को बताया की रीट भर्ती लेवल प्रथम द्वितीय का डाटा सार्वजनिक करने के संबंध में राज्य सरकार से अनुमति बोर्ड के द्वारा मांगी जाएगी जैसे ही अनुमति मिलेगी रीट भर्ती का डाटा सार्वजनिक कर देंगे।

वहीं आरपीएससी के बाहर वरिष्ठ अध्यापक भर्ती 2016 की पिकअप लिस्ट जारी करवाने तथा कृषि स्कूल व्याख्याता 2018 की सूची जारी करवाने के साथ नई फर्स्ट ग्रेड सेकंड ग्रेड भर्ती की विज्ञप्ति तथा कैलेंडर जारी करवाने की मांग को लेकर आज सांकेतिक प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद

अजेमर में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के बाहर बेरोजगार एकीकृत महासंघ ने प्रदर्शन किया।

- बेरोजगार महासंघ ने बोर्ड व आयोग के बाहर प्रदर्शन किया

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने आरपीएससी अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय एवं सचिव हजारीलाल अटल से मुलाकात करके बेरोजगारों की विभिन्न भर्तियों की मांगों करने के साथ-साथ रीट भर्ती की परीक्षा तिथि को मध्यनजर रखते हुए नई फर्स्ट ग्रेड, सेकंड ग्रेड भर्ती की परीक्षा तिथि की घोषणा करने की मांग की।

सचिव ने वार्ता में आश्वासन दिया की रीट भर्ती की परीक्षा तिथि को मध्यनजर रखते हुए ही नई फर्स्ट ग्रेड, सेकंड ग्रेड भर्ती की परीक्षा तिथियों की घोषणा की जाएगी और नई फर्स्ट ग्रेड और सेकंड ग्रेड की विज्ञप्ति मार्च महीने में जारी करने के साथ अगले वीक में कृषि व्याख्याता के कुछ पदों पर सूची जारी की जाएगी जिनमें कानूनी अड़चन नहीं है और कुछ पदों के मामलों का निस्तारण जल्द से जल्द न्यायालय से करवाकर सूची जारी करेंगे।

यादव ने बताया कि आरएएस भर्ती 2021 मुख्य परीक्षा में अभ्यर्थीयो को अतिरिक्त समय देने के संबंध में अध्यक्ष संजय श्रोत्रीय ने कहा कि अब कैलेंडर के साथ प्रवेश पत्र भी जारी हो चुके है और आयोग के स्तर पर अब कुछ नहीं हो सकता और यदि राज्य सरकार आरएएस भर्ती परीक्षा तिथि बढ़ाने को लेकर कोई फैसला लेती है तो हम सरकार के आदेशों की पालना करेंगे।

10 लाख की फिरौती मांगने के मामले में सोनू सूटर गिरफ्तार

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना सदर पुलिस ने ग्राम गणेश्वर में पूर्व सरपंच को जान से मारने धमकी देकर 10 लाख की फिरौती मांगने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया हैं।

थानाधिकारी कस्तूर वर्मा के नेतृत्व में टीम का गठन किया। टीम के अथक प्रयास व सूचना एकत्र कर आरोपी सैन्या उर्फ सोनू सूटर पुत्र घीसाराम निवासी ढाणी घाटीतला मण्डाणा खेतडी झुन्झुनू को किया गिरफ्तार किया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही हैं। पुलिस फरार अभियुक्तों की कस्बा, पाटन, बहरोड, नारनौल, महेन्द्रगढ़, खेतड़ी, सिंघाना, मेहाड़ा, सीहोड़ अजीतगढ़ में तलाश कर लगातार पीछाकर सम्पर्क सूत्रों से आरोपी

- आरोपी ने लिफाफा थमाकर पूर्व सरपंच को जान से मारने की दी थी धमकी

सैन्या उर्फ सोनू शूटर को राजु की गुंवार पहाडियों से दस्तयाब किया गया।

ये था मामला:- परिवादी घासीराम निवासी गणेश्वर ने थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसमें बताया कि ग्राम पंचायत गणेश्वर का पूर्व सरपंच है वर्तमान में पत्नी सरपंच है। परिवार का कारोबार नरेश जनरल स्टोर गणेश्वर मे स्थित है। 6 फरवरी की शाम को तीन व्यक्ति मोटरसाईकिल पर आये व दुकान में एक बंद लिफाफा दिया जिसको खोलकर देखा तो उसमे लिखा था की 10 लाख रूपये की फिरौती दे देना वरना आपको 15 दिन में दूसरी फिल्म दिखायी जायेगी।

20 फरवरी को लास्ट फाईनल अंतिम तारीख दी है। इसमें टीम जय महाकाल महेश कसाणा, टीम जे.पी. ग्रुप पपला गुर्जर, महाकाल खेतडी, सोनू सूटर खेतडी, निक्की उर्फ बच्चिया खेतडी जिससे मेरा परिवार भयभीत है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जिस पर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

नीमकाथाना सदर थाना पुलिस की गिरफ्त में फिरौती का आरोपी।

संग्रहण व मूल्यांकन केन्द्रों का 21 तक होगा निर्धारण

बीकानेर, (निसं)। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय द्वारा आठवीं बोर्ड की परीक्षा का तैयारी पंचाग तो जारी कर दिया गया है लेकिन परीक्षा तिथियां घोषित नही की गई हैं। सभी डाइट प्राचार्य, संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों को इस परीक्षा तैयारी पंचाग के अनुसार अपनी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

पंचांग के अनुसार राज्य की सभी डाइट्स को 21 फरवरी तक संग्रहण एवं मूल्यांकन केंद्रों का निर्धारण और मैपिंग के साथ-साथ उनके अधीनस्थ क्षेत्र से आठवीं बोर्ड परीक्षा के ऑनलाइन भरे गए आवेदन पत्रों की जांच करनी होगी। फरवरी के अंतिम सप्ताह तक नोडल एजेंसी की देखरेख में प्रश्न पत्रों का निर्माण, मॉडरेशन तथा उत्तर पुस्तिकाओं का छपाई का कार्य किया जाएगा। सभी डाइट्स द्वारा परीक्षकों का पैनल तैयार कर उसका अनुमोदन मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी से मार्च के पहले सप्ताह तक किया जाएगा। मार्च के दूसरे सप्ताह तक सभी संग्रहण केंद्रों पर परीक्षा से संबंधित सामग्री पहुंचा दी जाएगी।

हालांकि आठवीं बोर्ड परीक्षाओं की तिथियां पंचांग में घोषित नहीं की गई हैं लेकिन जिस तरह से तैयारियां किए जाने के निर्देश दिए गए है उससे ऐसी संभावना है कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं और बारहवीं बोर्ड की परीक्षाओं के साथ ही आठवीं बोर्ड की परीक्षाएं आयोजित कराई जा सकती हैं।

सभी डाइट्स को प्रश्न पत्रों का वितरण परीक्षा की तिथियां घोषित होने से पांच दिन पहले पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं बीकानेर द्वारा किया जाएगा। जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन संबंधित विषय की परीक्षा समाप्ति के बाद 7 दिनों में कराने के निर्देश दिए गए हैं।

आवारा सांड के हमले से घायल महिला की मौत

सादुलपुर, (निसं)। एक ओर जहां कस्बा राजगढ़ में दो-दो गौशालाएं संचालित हैं तथा सरकार द्वारा गौवंशों की परवरिश के लिए गौशालाओं को लाखों रुपये का अनुदान दिया जा रहा है, वहीं नगरपालिका क्षेत्र राजगढ़ में गौवंशों के झुण्ड के झुण्ड शहर में विचरण कर रहे है। इसका खामियाजा आमजन एवं शहरी लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

इसी कड़ी में गुरुवार शाम को कस्बा राजगढ़ की लोको कॉलोनी निवासी एक दलित परिवार को भी आवारा सांड के हमले के कारण महिला की मौत हो गई। मोहता कॉलेज के पीछे निवासरत महिला बनारसी देवी को सांड के हमले में घायल होने के बाद उसे तत्काल उनके परिजन घायलावस्था में कस्बे के श्रीनाथजी अस्पताल में उपचार हेतु लेकर पहुंचे मगर तब तक महिला ने दम तोड़ दिया। गौरतलब है कि कस्बे में कानों में टेग लगे बहुत सारे गौवंश शहर में दिनभर विचरण करते रहते हैं। पूर्व में भी आवारा सांडों की लडाई में कई लोगों के गम्भीर चोटिल होने की घटनाएं घट चुकी हैं, जिसमें कस्बा राजगढ़ के सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम डोकवे वाला भी आवारा सांडों के हमले की चपेट में आकर गम्भीर घायल हो गए थे।

इस प्रकार की आवारा सांडों की लडाई के चलते गंभीर घटनाएं घटने के

- कस्बा राजगढ़ में आवारा सांडों के हमले में लोगों के चोटिल होने की अनेक घटनाएं घट चुकी हैं

बावजूद भी स्थानीय प्रशासन इन आवारा गौवंशों को कस्बे में संचालित गौशालाओं में भिजवानें की कार्यवाही से पहरेज करता नजर आ रहा हैं, जिसका खामियाजा शहर वासियों को भुगतना पड रहा है। ज्ञातव्य है कि पूर्व में कई वर्ष पूर्व तत्कालीन चूरु जिला कलेक्टर द्वारा नगरपालिका और नगर परिषदों में आवारा विचरण करने वाले गौवंशो को गौशाला में भेजने के आदेश कर चुके है, तथा उस समय नगरपालिका राजगढ के सफाई कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन सुबह-सुबह नियमित रूप में शहर में विचरण करने वाले आवारा गौवंशो को गौशालाओ में डालने का कार्य किया जाता था, मगर अब उक्त आदेश इस प्रकार की घटनाएं घटित होने के चलते सिर्फ कागजी कार्यवाही बनते नजर आ रहे हैं।

बीकानेर जिले में फरवरी में अब तक एक हजार कोविड पॉजिटिव

बीकानेर, (निसं)। जिले में कोरोना रोगियों की संख्या में शुक्रवार को फिर बढ़ोतरी हो गई। शहर में इन दिनों चल रहे वेडिंग सीजन के बीच कोरोना गाइडलाइन की पालना नहीं हो रही।

ऐसे में फिर से इस रोग के भयावह होने का खतरा मंडरा रहा है। गुरुवार को जहां दिनभर में महज 27 पॉजिटिव केस मिले थे, वहीं शनिवार सुबह की रिपोर्ट में ही बीस केस मिल चुके हैं। शाम तक ये संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल बीकानेर में एक्टिव केस काफी तेज गति से बढ़ रहे हैं। शुक्रवार तक बीकानेर में एक्टिव केस घटकर महज 261 रह गए हैं, जबकि एक वक्त ये संख्या दो हजार से भी पार थी। अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या भी सत्तर से ऊपर पहुंच गई थी, जो अब घटकर महज 17 रह गई है। इनमें भी ज्यादा सीरियस रोगी अब नहीं है। ऑक्सीजन की जरूरत वाले रोगियों की संख्या अब बहुत कम है।

हेल्थ डिपार्टमेंट के संयुक्त निदेशक डॉ. देवेंद्र चौधरी ने कहा है कि जनवरी और फरवरी 22 में आठ हजार 43 कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। इतना ही नहीं बीकानेर में अकेले फरवरी के 17 दिनों में 12 मरीजों की मौत हो चुकी है। वहीं जनवरी में 21 की मौत हुई। अब तक इस साल में 33 मौतें हो चुकी हैं।

कोटपूतली में क्रशर ज़ोन से निकलने वाली डस्ट से ग्रामीण तिल-तिल कर मरने को मजबूर

नारेहड़ा में सड़कों पर उड़ते धूल के गुबार से आमजन बेहद परेशान

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली कस्बे के निकटवर्ती ग्राम नारेहड़ा से चोटिया तक अवैध ओवरलोड वाहनों के कारण (सड़कें बुरी तरह) क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। साथ ही इलाके में वैध-अवैध खनन की गतिविधि जोरों पर है। और खनन के कारण दिनभर धूल का गुबार बना रहता है जिससे आवाजाही में तो भारी दिक्कतें हैं ही, साथ ही अब यह लोगों की सांसें फुला रहा है।

परिणामस्वरुप यहां के लोग एलर्जी, खांसी, दमा, सिलिकॉसिस जैसी घातक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। इतना ही नहीं, यदि कभी कोटपूतली से नीमकाथाना तक का सफर करने का मौका मिले तो इस स्टेट हाईवे की बदहाली देख कर आप सन्न रह जायेंगे। हालात यहां तक होते हैं कि जब इस स्टेट हाईवे पर अवैध ओवरलोड वाहनों की रेलम-पेल होती है, तब धूल के गुबार में दिन में भी रात जैसा माहौल हो जाता है। वाहन चालकों को अपने आगे चल रहा वाहन तक नजर नहीं आता और जाहिर है कि आये दिन यहाँ दुपहिया व चौपहिया वाहन चालक दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं।

नीमकाथाना मार्ग पर ग्राम नारेहड़ा के समीप स्टेट हाईवे पर वाहनों के पीछे उड़ता धुल का गुब्बार।

क्रशर ज़ोन (खनन क्षेत्र) के आस-पास वाले इलाकों में यदि खेती की बात की जाये तो फसलों पर धूल की सफेदी छाई रहती है, जिसके चलते फसलें भी यहां पनप नहीं पातीं। ऐसा नहीं है कि क्षेत्र की इस गंभीर समस्या से यहां का प्रशासन अनजान है। प्रशासन भी खुली आंखों से इस नजारे को देखता है। क्रशर ज़ोन में बैठे खनन माफिया कि ऊंची रसूख व जिम्मेदार एवं सफेद पोश नेताओं की कथित गठजोड़ के आगे प्रशासन विवश नज़र आता है।

ग्रामीण वेदप्रकाश सिंह, महेश सिंह, सुनील शर्मा, देवेंद्र सिंह, रवि जोशी, राधेश्याम सैनी, बलबीर सैन, प्रताप सिंह, विक्रम सिंह, सुनील सैन, जयराम सैनी, ओमप्रकाश सैनी, सुरेश शर्मा आदि ने बताया कि, पिछले दिनों रात्रि के समय कुछ ड्राइवरों ने क्रशरों से निकलने वाली गीली डस्ट सड़कों पर डाल दी थीं, जिसको लेकर ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन कर विरोध भी किया था।

मौके पर तहसीलदार ने शीघ्र

- प्रशासन और जिम्मेदार लोग इस स्थिति के प्रति आंखें मूंदे मौन बैठे हैं।

सड़क निर्माण, तथा जब तक सड़क निर्माण नहीं होता, तब तक पानी का छिड़काव करवाये जाने का आश्वासन दिया था। लेकिन कुछ दिनों तक ही पानी का छिडकाव किया गया उसके बाद बंद हो गया। मिट्टी-धूल उड़ने से व्यापारियों का धंधा भी चौपट होने लगा है। उक्त सड़क निर्माण को लेकर पिछले दिनों क्षेत्रीय विधायक व गृह राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह यादव ने अनावरण पट्टीका का लोकार्पण किया था। लेकिन सड़क निर्माण कार्य बहुत धीमी गति से चल रहा है। जिसको लेकर व्यापारियों व ग्रामीणों ने सड़क निर्माण पूर्ण होने तक पानी का नियमित छिड़काव किये जाने व समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है।